भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1753
उत्तर देने की तारीख 10.03.2025

आज़ादी का अमृत महोत्सव

1753. श्री विष्णु दयाल राम :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत की सांस्कृतिक विरासत और स्वतंत्रता संग्राम को प्रोत्साहन देने में आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) कार्यक्रमों के प्रमुख परिणाम और प्रभाव क्या हैं;

(ख) देशभर में एकेएएम पहलों के प्रतिभागियों की संख्या और इसकी भौगोलिक पहुंच क्या है; और

(ग) क्या एकेएएम के अंतर्गत युवाओं और शैक्षणिक संस्थानों को शामिल करने के लिए कोई विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): सांस्कृतिक गौरव आजादी का अमृत महोत्सव (अकाम) समारोह के अंतर्गत एक थीम था। सांस्कृतिक गौरव थीम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम और अभियान आयोजित किए गए।

'किला और कहानियां', 'वंडर केव्स' अर्थात् किलों और गुफाओं में आयोजित कार्यक्रमों ने किले और गुफाओं के इतिहास से लोगों को जोड़ा, विशेषकर ऑनस्पॉट कार्यकलापों और प्रतियोगिताओं में पर्यटकों के अलावा स्कूली बच्चों की भागीदारी भी देखने को मिली। सेंट्रल विस्टा में कलांजलि के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला के द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों तक नि:शुल्क पहुंच कायम की गई जिससे कला एवं संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित विषयवस्तु का अनुभव और भागीदारी सुनिश्चित हुई। भारतीय भाषा साहित्य उत्सव 'उन्मेष' नामक एक अन्य कार्यक्रम के माध्यम से 100 से अधिक भाषाओं और 500 से अधिक लेखकों का कीर्तिगान करने और उनसे संबद्ध होने का अवसर प्रदान

किया गया। 'उत्कर्ष' कार्यक्रम ने आदिवासी संस्कृति का उत्सव मनाने के लिए हजारों कलाकारों को एकजुट किया।

'संस्कृत समन्वेष' कार्यक्रम के द्वारा संस्कृत भाषा पर ध्यान केंद्रित किया गया। कंटेंट क्रिएटर्स के सहयोग से प्रभात फेरियों के माध्यम से पहुंच कायम की गई। 'कला, वास्तुकला और डिजाइन द्विवार्षिकी' ने वैश्विक उत्सव/कार्यक्रम कैलेंडर का एक प्रमुख आयोजन किया। पुस्तकालय महोत्सव (फेस्टिवल ऑफ लाइब्रेरीज़) ने प्राचीन काल से ही ज्ञान का स्रोत रही पुस्तकों से लोगों का परिचय कराया। विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार द्वारा सहायता प्राप्त संग्रहालयों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी के साथ आयोजित अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो ने लोगों को कलावस्तुओं और कलाकृतियों के माध्यम से हमारी विरासत को जानने का अवसर प्रदान किया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत और इतिहास का कीर्तिगान किया गया। अकाम के दौरान संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित 'आयुर्वेद शोध लेखों के लिए डिजिटल हेल्पलाइन [धारा]' श्रृंखला के माध्यम से प्राचीन भारत की उपलब्धियों और विश्व को दिए योगदान पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इसमें वैदिक गणित, भारतीय कैलेंडर प्रणाली, भारतीय खगोल भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान, भारतीय ज्ञान प्रणाली मेला, भारत में आयुर्वेद, आयुध कला (मार्शल आर्ट), समुद्रमंथन: प्राचीन समुद्री इतिहास (स्टिच्ड जहाज की घोषणा), संगीत और नाट्य परम्परा, रसायन शास्त्र - धातु विज्ञान जैसे विषयों को शामिल किया गया।

अमृत महोत्सव ने अनेक कार्यक्रमों जैसे कि "एकता का उत्सव, सीमावर्ती गांवों का दौरा, तेलंगाना स्थापना दिवस, वितस्ता - कश्मीर की श्रेष्ठता का उत्सव, काशी तमिल संगमम, सौराष्ट्र तमिल संगमम, माधवपुर मेला" आदि के माध्यम से सभी को एकजुट किया। वैश्विक आध्यात्मिकता महोत्सव से लोगों को भारत के आध्यात्मिक इतिहास के निकट लाने का प्रयास किया गया।

अमृत महोत्सव ने स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के तहत 10000 से अधिक गुमनाम नायकों का डिजिटल दस्तावेजीकरण पूरा किया गया। 18000 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों के स्थानीय इतिहास का यशगान करने के लिए डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपोजिटरी (डीडीआर) का गठन किया गया। संस्कृति मंत्रालय ने स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित कार्यक्रमों की श्रृंखला - क्रांति तीर्थ में सहायता प्रदान की। 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जो आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों - बिरसा मुंडा, तिरोत सिंह, मतमूर जामोह और अन्य पर केंद्रित है।

अकाम कार्यक्रमों ने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन और भारत गाथा के सृजन में राज्यों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके उदाहरणों में चौरी चौरा (उत्तर प्रदेश), हैदराबाद मुक्ति दिवस (तेलंगाना), अमृत भारतीगे कन्नड़धरती (कर्नाटक) और कई अन्य शामिल हैं।

अकाम के तहत स्वतंत्रता संग्राम की गाथाओं के साथ युवा दर्शकों तक पहुँच कायम करने के लिए विशेष पहल की गई। जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान सभा में महिलाओं, गुमनाम नायकों आदि पर अमर चित्र कथा के विशेष संस्करण, क्रांतिकारी कविता, प्रतिबंधित साहित्य आदि पर केन्द्रित स्वतंत्रता स्वर, स्वतंत्रता संग्राम पर केंद्रित कहानियों पर केंद्रित जरा याद करो कुर्बानी और अन्य पॉडकास्ट युवा दर्शकों तक पहुँचने के लिए अकाम के तहत की गई कुछ पहलें हैं।

स्वदेशी वैज्ञानिक कार्यक्रम अकाम के तहत स्वतंत्रता संग्राम में वैज्ञानिकों की भूमिका को उजागर करने और तकनीकी 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाने का एक प्रयास था। आगे के कार्यक्रमों में बौद्धिक संपदा अधिकारों आदि पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

(ख): अकाम के दौरान कई कार्यक्रम और ब्रांड नाम सृजित किए गए। ब्रांड अकाम और इसका लोगो आसानी से पहचानी जाने वाली डिजिटल संपत्ति है। अकाम पूरे विश्व में किसी भी स्थान पर आयोजित सबसे लंबे समय तक चलने वाले कार्यक्रमों में से एक है। इसकी अवधि 2 वर्ष 7 महीने और 19 दिन है। इस अवधि के दौरान भारत और विदेशों (150 से अधिक देशों) में 2 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का आयोजन केंद्रीय/राज्य मंत्रालयों/विभागों, सरकारी/निजी संगठनों, कॉरपोरेट्स, गैर सरकारी संगठनों, स्कूलों/कॉलेजों आदि द्वारा किया गया।

अकाम के तहत आयोजित कुछ सामूहिक कार्यक्रम हैं- मेरी माटी मेरा देश, रचनात्मकता में एकता प्रतियोगिता और हर घर तिरंगा। मेरी माटी मेरा देश अभियान में दो चरणों में व्यापक भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम के तहत 6 लाख से अधिक गाँवों को कवर किया गया। 766 जिलों, 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 7000 से अधिक ब्लॉकों और 55 मंत्रालयों और विभागों ने इसमें भाग लिया। 31 अक्टूबर, 2023 को कर्तव्य पथ आयोजित समापन कार्यक्रम में देश भर से दो लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। वीरों को 2,33,000 से अधिक शिलाफलकम समर्पित किए गए। 2,18,856 स्थानों पर वीरों का वंदन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। 4 करोड़ से अधिक पंच प्रण प्रतिज्ञाएँ ली गईं। देश भर में वसुधा वंदन थीम के तहत 2.36 करोड़ से अधिक देशी पौधे लगाए गए और 2.63 लाख अमृत वाटिकाएँ बनाई गईं।

अकाम के तहत रचनात्मकता में एकता प्रतियोगिता के तहत तीन अखिल भारतीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, अर्थात: (i) देशभक्ति गीत लेखन; (ii) लोरी लेखन; और (iii) रंगोली बनाना। इस प्रतियोगिता को पूरे देश से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली और प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए 700 से अधिक जिलों से प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। देशभक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में पूरे भारत से 2 लाख से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। लोरी

लेखन में 80000 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं और रंगोली बनाने की प्रतियोगिता में 2.34 लाख से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं।

हर घर तिरंगा एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम बन गया, जिसमें पिछले तीन वर्षों के दौरान 20 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की गई। 2022 में, हर घर तिरंगा में 23 करोड़ से अधिक परिवारों ने भाग लिया। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के दौरान कई गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए।

(ग): अकाम को शुरू से ही युवाओं और शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के अनुरूप अभिकल्पित किया गया था। युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निबंध, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, फैंसी ड्रेस, देशभक्ति गायन, रंगोली बनाना आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। स्कूल और कॉलेज परिसरों में प्रदर्शन/प्रतिकृति के लिए प्रदर्शनियाँ, स्किट, दीवार पेंटिंग आदि बनाई गईं। हर घर तिरंगा जैसे मेगा कार्यकलापों के लिए आउटरीच कार्यक्रमों में छात्रों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका की परिकल्पना की गई जिसके तहत वे तिरंगे को घर पर लाने में निहित संदेश को आत्मसात और प्रसारित कर सकें।

युवा भारत ने अकाम के कई कार्यक्रमों में अपनी राय व्यक्त की और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने और काम करने का वचन दिया। युवा भारत की व्यापक भागीदारी वाले कुछ कार्यक्रम निम्नलिखित हैं: प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड (लगभग 1 करोड़ से अधिक); राष्ट्रीय युवा महोत्सव; वीर गाथा परियोजना; एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत छात्र भ्रमण; वीर बाल दिवस; स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम/मार्च; स्कूलों और कॉलेजों में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम - एनवाईकेएस (MyBharat)।